14.1.25

पत्रावली पेशी में ली गई। बहस उभयपक्ष पूर्व में सुनी जा चुकी है। विस्तृत निर्णय अलग से लिखवाया जाकर खुले इजलास सुनाया गया। पत्रावली नंबर से कम की जाकर दाखिल दफ्तर की जाती है।

[signature]

Signature Not Verified

Digitally signed by Mangi Lal
Date: 2025.04.01 12:02:44 IST
Reason: SelfAttested